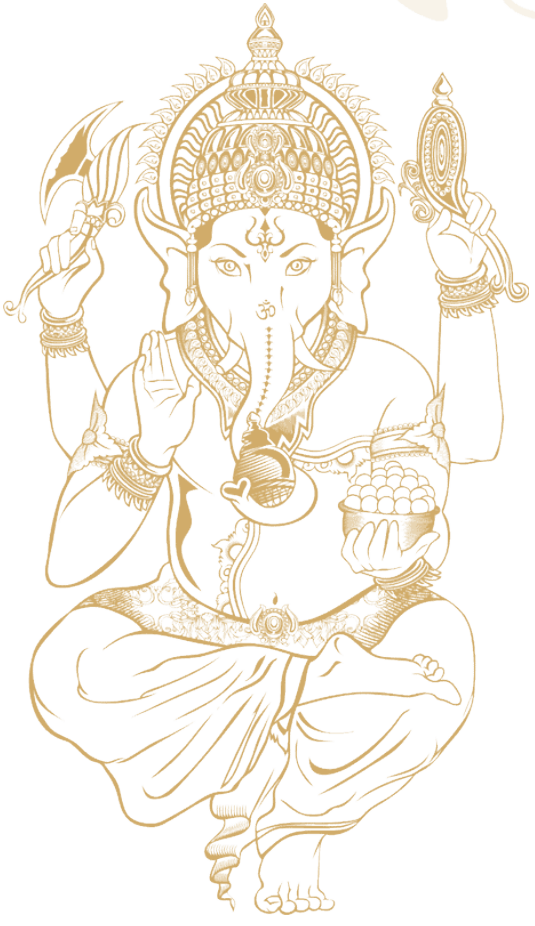

PRASHANT CHAURASIYA

11 Jul 2000

11:00 PM

Bharthana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121789104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/07/2000**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**23:00:00 घंटे**
इष्ट	43:51:39 घटी
स्थान	**Bharthana**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	79:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:13:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:46:56 घंटे
वेलान्तर	-00:05:30 घंटे
साम्पातिक काल	18:06:39 घंटे
सूर्योदय	05:27:20 घंटे
सूर्यास्त	19:09:32 घंटे
दिनमान	13:42:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	25:50:17 मिथुन
लग्न के अंश	08:27:18 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुभ
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	08:27:18	503:11:22	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	25:50:17	00:57:12	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	02:48:45	12:08:09	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल		अ	मिथु	22:52:51	00:39:26	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
बुध	व	अ	मिथु	17:55:02	00:26:47	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	स्वराशि
गुरु			वृष	08:26:49	00:11:41	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	04:09:57	01:13:46	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
शनि			वृष	03:51:55	00:05:44	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	00:46:40	00:00:13	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	00:46:40	00:00:13	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	26:07:36	00:01:57	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	11:45:04	00:01:33	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:42:11	00:01:09	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			धनु	07:39:47	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:37

लग्न-चलित

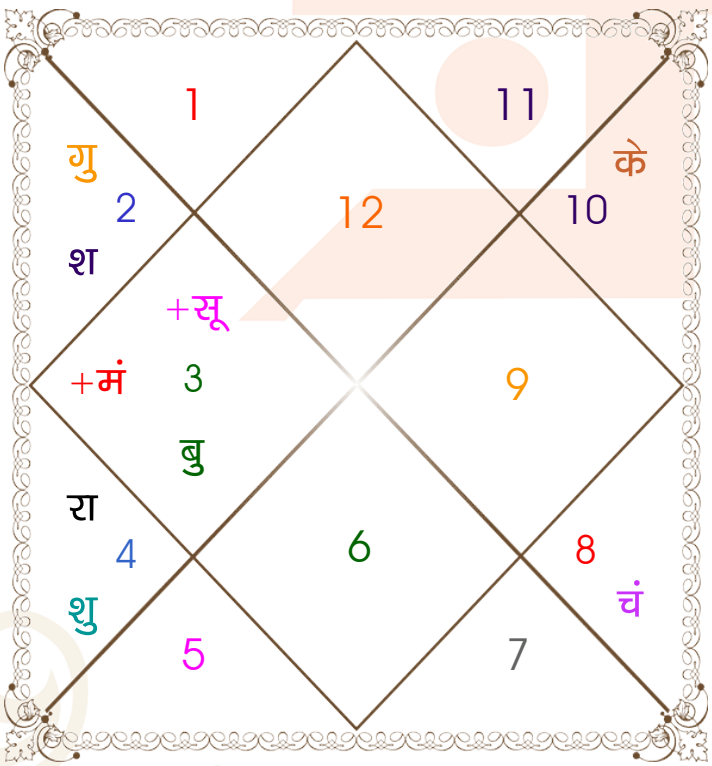

चन्द्र कुंडली

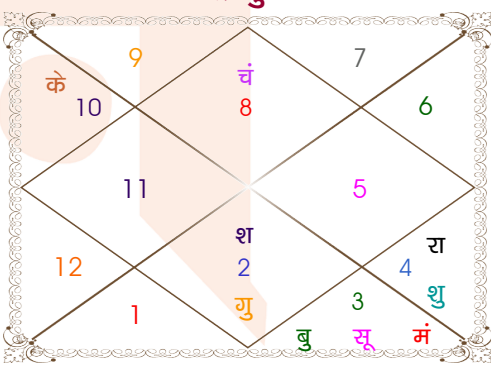

नवमांश कुंडली

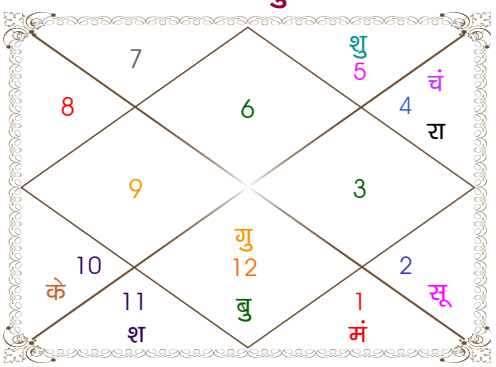

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 7 मास 15 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
11/07/2000		25/02/2001		25/02/2020		25/02/2037		25/02/2044	
25/02/2001		25/02/2020		25/02/2037		25/02/2044		25/02/2064	
	00/00/0000	शनि	29/02/2004	बुध	24/07/2022	केतु	24/07/2037	शुक्र	27/06/2047
	00/00/0000	बुध	08/11/2006	केतु	21/07/2023	शुक्र	23/09/2038	सूर्य	26/06/2048
	00/00/0000	केतु	17/12/2007	शुक्र	21/05/2026	सूर्य	29/01/2039	चंद्र	25/02/2050
	00/00/0000	शुक्र	16/02/2011	सूर्य	28/03/2027	चंद्र	30/08/2039	मंगल	27/04/2051
	00/00/0000	सूर्य	29/01/2012	चंद्र	26/08/2028	मंगल	26/01/2040	राहु	27/04/2054
	00/00/0000	चंद्र	29/08/2013	मंगल	23/08/2029	राहु	13/02/2041	गुरु	26/12/2056
	00/00/0000	मंगल	08/10/2014	राहु	12/03/2032	गुरु	19/01/2042	शनि	25/02/2060
	11/07/2000	राहु	14/08/2017	गुरु	18/06/2034	शनि	28/02/2043	बुध	26/12/2062
राहु	25/02/2001	गुरु	25/02/2020	शनि	25/02/2037	बुध	25/02/2044	केतु	25/02/2064

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
25/02/2064		25/02/2070		25/02/2080		25/02/2087		26/02/2105	
25/02/2070		25/02/2080		25/02/2087		26/02/2105		12/07/2120	
सूर्य	14/06/2064	चंद्र	26/12/2070	मंगल	24/07/2080	राहु	07/11/2089	गुरु	16/04/2107
चंद्र	14/12/2064	मंगल	27/07/2071	राहु	11/08/2081	गुरु	02/04/2092	शनि	27/10/2109
मंगल	21/04/2065	राहु	25/01/2073	गुरु	18/07/2082	शनि	07/02/2095	बुध	02/02/2112
राहु	15/03/2066	गुरु	27/05/2074	शनि	27/08/2083	बुध	26/08/2097	केतु	08/01/2113
गुरु	01/01/2067	शनि	27/12/2075	बुध	23/08/2084	केतु	14/09/2098	शुक्र	09/09/2115
शनि	14/12/2067	बुध	27/05/2077	केतु	19/01/2085	शुक्र	15/09/2101	सूर्य	27/06/2116
बुध	20/10/2068	केतु	26/12/2077	शुक्र	21/03/2086	सूर्य	09/08/2102	चंद्र	27/10/2117
केतु	25/02/2069	शुक्र	27/08/2079	सूर्य	27/07/2086	चंद्र	08/02/2104	मंगल	03/10/2118
शुक्र	25/02/2070	सूर्य	25/02/2080	चंद्र	25/02/2087	मंगल	26/02/2105	राहु	12/07/2120

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 7 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर लिए तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगा। अर्थात् आपका विनाश कर देगा। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिए तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगे। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगे। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगे जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन के स्वामी होंगे। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आप समाजिक क्लब के सदस्य होंगे। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगे। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करना पड़ेगा। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाले बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखते हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करते हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाते हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकते है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करते हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देते हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलते हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगे तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगे। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकते हैं। यदि आप चयन करेंगे तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।